

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	भाद्र 01, मंगलवार, शाके 1944-अगस्त 23, 2022 <i>Bhadra 01, Tuesday, Saka 1944- August 23, 2022</i>	

भाग 4 (ग)

उप-खण्ड (I)

राज्य सरकार तथा अन्य राज्य-प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये (सामान्य आदेशों, उप-विधियों आदि को सम्मिलित करते हुए) सामान्य कानूनी नियम।

कार्मिक विभाग

क-ग्रुप-2

अधिसूचना

जयपुर, अगस्त 08, 2022

जी.एस.आर.66 :-भारत के संविधान के अनुच्छेद 318 के खण्ड (ख) के साथ पठित अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राजस्थान के राज्यपाल, राजस्थान लोक सेवा आयोग (लिपिकवर्गीय तथा अधीनस्थ सेवा) नियम और विनियम, 1999 को और संशोधित करने के लिए इसके द्वारा निम्नलिखित नियम और विनियम बनाते हैं, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.- (1) इन नियमों का नाम राजस्थान लोक सेवा आयोग (लिपिकवर्गीय तथा अधीनस्थ सेवा) (द्वितीय संशोधन) नियम और विनियम, 2022 है।

(2) ये तुरंत प्रभाव से प्रवृत्त होंगे।

2. नियम 6ख का जोड़ा जाना.- राजस्थान लोक सेवा आयोग (लिपिक वर्गीय तथा अधीनस्थ सेवा) नियम और विनियम, 1999 के विद्यमान नियम और विनियम 6क के पश्चात निम्नलिखित नया नियम और विनियम जोड़ा जायेगा, अर्थात् :-

“6ख. ऐसे मृतक व्यक्तियों के आश्रितों की अनुकम्पा नियुक्ति जिन्हें उत्तराखण्ड त्रासदी-2013 में मृत या लापता होने के पश्चात मृत घोषित किया गया.- (1) इन नियमों में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, नियुक्ति प्राधिकारी सीधी भर्ती द्वारा भरी जाने वाली वेतन मैट्रिक्स में के लेवल एल-9 तक के पद की रिक्तियां, ऐसे व्यक्ति, जो राजस्थान राज्य का मूल निवासी था और 2013 की उत्तराखण्ड त्रासदी में मर गया था या जिसे ऐसी त्रासदी में लापता होने के पश्चात मृत घोषित किया गया था, के आश्रितों में से किसी एक को अनुकम्पात्मक आधार पर, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, नियुक्त करके भर सकेगा:-

(i) आश्रित राजस्थान राज्य का मूल निवासी होना चाहिए; और

(ii) आश्रित इन नियमों के अधीन संबंधित पद के लिए विहित शैक्षणिक और अन्य अर्हताएं तथा अन्य शर्तें पूर्ण करता हो:

परन्तु चयन के लिए प्रक्रियात्मक अपेक्षा जैसे कि,-

(क) नियुक्ति के समय कम्प्यूटर अर्हता पर जोर नहीं दिया जायेगा। आश्रित को सुसंगत नियमों में यथा विहित कोई भी कम्प्यूटर अर्हता परीक्षा कालावधि के भीतर-भीतर प्राप्त करनी होगी जिसके ना होने पर, उसकी परीक्षा बढ़ायी गयी समझी जायेगी जब तक कि नियुक्ति

प्राधिकारी सेवा में उसके प्रदर्शन को पूर्ण रूप से असंतोषजनक पाते हुए उसकी सेवाओं को समाप्त नहीं कर दे;

(ख) नियुक्ति के समय प्रशिक्षण या विभागीय परीक्षा या कम्प्यूटर पर टंकण पर जोर नहीं दिया जायेगा। तथापि, आश्रितों से तीन वर्ष की कालावधि के भीतर-भीतर, जब तक स्थायीकरण के लिए हकदारी हेतु उस कालावधि को कार्मिक विभाग द्वारा शिथिल ना किया गया हो, ऐसा प्रशिक्षण या विभागीय परीक्षा अथवा अंग्रेजी या हिन्दी में से किसी भी एक भाषा में कम्प्यूटर पर टंकण परीक्षण उत्तीर्ण करना अपेक्षित होगा, जिसमें असफल रहने पर उसकी नियुक्ति समाप्त किये जाने के लिए दायी होगी। जब तक वह ऐसी अर्हता अर्जित नहीं कर लेता/लेती है, तब तक कोई भी वार्षिक ग्रेड वृद्धियां अनुज्ञात नहीं की जायेंगी। ऐसी अर्हता अर्जित कर लेने पर नियुक्ति की तारीख से वार्षिक ग्रेड वृद्धियां काल्पनिक रूप से अनुमत की जायेंगी किन्तु कोई भी बकाया संदत्त नहीं किया जायेगा:

परन्तु यह और कि इन नियमों के उपबंधों के अधीन नियुक्त विधवा को कम्प्यूटर अर्हता रखने और कम्प्यूटर पर टंकण परीक्षण उत्तीर्ण करने से छूट दी जायेगी:

परन्तु यह भी कि इस नियम के उपबंधों के अधीन नियुक्त बेंचमार्क निःशक्तता वाले व्यक्ति को कम्प्यूटर पर टंकण परीक्षण उत्तीर्ण करने से छूट दी जायेगी।

(2) ऐसे आश्रित को नियुक्ति नहीं दी जायेगी यदि ऐसे मृतक के या लापता होने के पश्चात मृत घोषित व्यक्ति के आश्रितों में से कोई भी एक, मृतक की मृत्यु या ऐसे लापता व्यक्ति को मृत घोषित किये जाने के समय, केन्द्रीय/किसी राज्य सरकार या केन्द्रीय/किसी राज्य सरकार द्वारा पूर्ण रूप से या भागतः स्वामित्वाधीन या नियंत्रणाधीन विधिक बोर्ड/संगठन/निगम के अधीन नियमित आधार पर पहले से ही नियुक्त है:

परन्तु यह शर्त वहां लागू नहीं होगी जहां विधवा स्वयं के लिए नियोजन चाहती है:

परन्तु यह और कि यदि किसी कुटुम्ब में ऐसे व्यक्तियों की संख्या, जो मृत हो गये हैं या लापता होने के पश्चात मृत घोषित कर दिये गये हैं, एक से अधिक है तो, केवल एक आश्रित की अनुकम्पात्मक आधार पर नियुक्ति के लिए ही विचार किया जायेगा।

(3) ऐसा आश्रित नियुक्ति के लिए आवेदन संबंधित जिला कलक्टर को प्रस्तुत करेगा। जिला कलक्टर आवेदन को अपनी सिफारिशों सहित आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग को सत्यापन हेतु अग्रेषित करेगा। ऐसे मृतक की मृत्यु या ऐसे मृतक की मृत्यु की घोषणा के सत्यापन के पश्चात ऐसे आश्रित का आवेदन, उपयुक्त नियुक्ति के लिए संबंधित जिला कलक्टर को अग्रेषित किया जायेगा। संबंधित जिले में रिक्ति की अनुपलब्धता की दशा में आवेदन संभागीय आयुक्त को भेजा जायेगा जो अपनी अधिकारिता के अधीन किसी जिले में नियुक्ति की व्यवस्था करेगा। यदि संभागीय आयुक्त की अधिकारिता के अधीन रिक्त पद उपलब्ध नहीं हो तो नियुक्ति प्रदान करने हेतु आवेदन संभागीय आयुक्त द्वारा कार्मिक (क-2) विभाग को निर्दिष्ट किया जायेगा।

स्पष्टीकरण: इस नियम के प्रयोजन के लिए आश्रित से निम्नलिखित अभिप्रेत है:-

(i) पति/पत्नी; या

(ii) पुत्र जिसमें मृत या लापता होने के पश्चात मृत घोषित व्यक्ति द्वारा उसके जीवन काल के दौरान वैध रूप से दत्तक ग्रहण किया गया पुत्र सम्मिलित है; या

- (iii) अविवाहित/विधवा/विच्छिन्न विवाह पुत्री जिसमें मृत या लापता होने के पश्चात मृत घोषित व्यक्ति द्वारा उसके जीवन काल के दौरान वैध रूप से दत्तक ग्रहण की गयी पुत्री सम्मिलित है; या
- (iv) विवाहित पुत्री, यदि उपरोक्त खण्ड (ii) और (iii) में उल्लिखित अन्य कोई आश्रित उपलब्ध नहीं है; या
- (v) मृत या लापता होने के पश्चात मृत घोषित अविवाहित व्यक्ति के मामले में माता, पिता, अविवाहित भाई या अविवाहित बहन,

जो मृत या लापता होने के पश्चात मृत घोषित व्यक्ति पर उसकी मृत्यु के समय पूर्ण रूप से आश्रित था।

(4) इस नियम में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, ऐसे व्यक्ति जो आपदा प्रबन्धन और सहायता विभाग द्वारा जारी किये गये सहायता पैकेज दिनांक 29.07.2013 के अनुसरण में नियुक्त किये गये हों, राजस्थान लोक सेवा आयोग (लिपिकवर्गीय तथा अधीनस्थ सेवा) (द्वितीय संशोधन) नियम और विनियम, 2022 के प्रारम्भ की तारीख से, यदि वे इस नियम के अधीन नियुक्ति के लिए पात्र हैं, इस नियम के उपबंधों के अधीन नियुक्त किये गये समझे जायेंगे।”

[सं. एफ. 3(9)डीओपी/ए-2/2013]

राज्यपाल के आदेश और नाम से,

रामनिवास मेहता,

संयुक्त शासन सचिव।

DEPARTMENT OF PERSONNEL

A-Gr.-II

NOTIFICATION

Jaipur, August 08, 2022

G.S.R.66 .-In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 read with clause (b) of Article 318 of the Constitution of India, the Governor of Rajasthan hereby makes the following rules and regulations further to amend the Rajasthan Public Service Commission (Ministerial and Subordinate Services) Rules and Regulations, 1999, namely:-

1. Short title and commencement.- (1) These rules and regulations may be called the Rajasthan Public Service Commission (Ministerial and Subordinate Services) (IInd Amendment) Rules and Regulations, 2022.

(2) They shall come into force with immediate effect.

2. Addition of new rule 6B.- After the existing rule and regulation 6A of the Rajasthan Public Service Commission (Ministerial and Subordinate Services) Rules and Regulations, 1999, the following new rule and regulation shall be added, namely:-

"6B Compassionate appointment of dependents of the deceased persons, who died or declared dead after missing in Uttarakhand Tragedy-2013.- (1) Notwithstanding anything contained in these rules the Appointing Authority may fill the vacancies of the post upto level in pay matrix L-9 to be filled in by direct recruitment by appointing on compassionate ground to one of the dependents of a person who was bonafide resident of the State of Rajasthan and died in the

Uttarakhand tragedy-2013 or declared dead after missing in such tragedy of 2013, subject to the condition that,-

- (i) the dependent must be a bonafide resident of the State of Rajasthan; and
- (ii) the dependent fulfills academic and other qualifications and other conditions prescribed under these rules for respective post:

Provided that the procedural requirement for selection such as,-

- (a) computer qualification shall not be insisted upon at the time of appointment. The dependent shall have to possess any of the computer qualification as prescribed in the relevant rules within the period of probation, failing which his/her probation shall be deemed to be extended, unless the appointing authority terminates his/her services finding the performance wholly unsatisfactory;
- (b) training or departmental examination or typing on computer shall not be insisted upon at the time of appointment. The dependents shall however, be required to clear such training or departmental examination or typing test on computer in any one language, either in English or in Hindi, within a period of three years, unless the period is relaxed by Department of Personnel, for entitlement for confirmation, failing which his/her appointment shall be liable to be terminated. No annual grade increments shall be allowed until he/she acquires such qualification. On acquiring such qualification, annual grade increments shall be allowed notionally from the date of appointment but no arrears shall be paid.

Provided further that the widow appointed under the provisions of these rules shall be exempted from having computer qualification and passing the typing test on computer.

Provided also that the person with benchmark disability appointed under the provisions of this rule shall be exempted from passing the typing test on computer.

(2) Appointment shall not be given to such dependent, if any one of the dependents of such deceased or declared as dead after missing is already employed on regular basis under the Central/any State Government or Statutory Board/Organisation/Corporation owned or controlled wholly or partially by the Central/any State Government at the time of death of the deceased or declaration of death of missing person:

Provided that this condition shall not apply where the widow seeks employment for herself.

Provided further that in case, the number of persons who died or declared dead after missing are more than one of any family, only one dependent shall be considered for appointment on compassionate ground.

(3) Such dependent shall submit an application for appointment to the District Collector concerned. The District Collector shall forward the application with his recommendations to the Disaster Management, Relief & Civil Defence Department for verification. After the verification of death or declaration of death of such deceased, the application of such dependent shall be forwarded to the District

Collector concerned for suitable appointment. In the event of non-availability of vacancy in the district concerned, the application shall be sent to the Divisional Commissioner who will arrange appointment in any District under his jurisdiction. If vacant post is not available under the jurisdiction of the Divisional Commissioner, the application shall be referred by the Divisional Commissioner to the Department of Personnel (A-II) for providing appointment.

Explanation: For the purpose of this rule Dependent means,-

- (i) spouse; or
- (ii) son including son legally adopted by the person died or declared dead after missing during his/her life time; or
- (iii) unmarried/widowed/divorced daughter including legally adopted daughter by the person died or declared dead after missing during his/her life time; or
- (iv) married daughter, if no other dependent mentioned in clause (ii) and (iii) above is available; or
- (v) mother, father, unmarried brother or unmarried sister in case of unmarried person died or declared dead after missing, who was wholly dependent on the person died or declared dead after missing at the time of his/her death.

(4) Notwithstanding anything contained in this rule persons who were appointed in pursuance of relief package dated 29-07-2013 issued by the Disaster Management and Relief Department shall be deemed to be appointed under the provisions of this rule from the date of commencement of the Rajasthan Public Service Commission (Ministerial and Subordinate Services) (IInd Amendment) Rules and Regulations, 2022, if they are otherwise eligible for appointment under this rule."

[No. F.3(9)DOP/A-II/2013]

**By order and in the name of the Governor,
RAM NIWAS MEHTA,
JOINT SECRETARY TO THE GOVERNMENT.**

Government Central Press, Jaipur.